सन् २०२४ की सीज़न्स ग्रीटिंग्स में
गुरुमाई चिद्विलासानन्द द्वारा प्रदत्त शब्दों की भेंट

मैं यहाँ हूँ. . .
तुम यहाँ हो. . .
हम सब यहाँ हैं
आकाश के तले,
अनन्त नक्षत्रमण्डल से झरते
प्रकाश के आँचल में लिपटे हुए।

© २०२४ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।